निर्णय

Ursula Nafula

Vusi Malindi

Nandani

2

हिन्दी hi

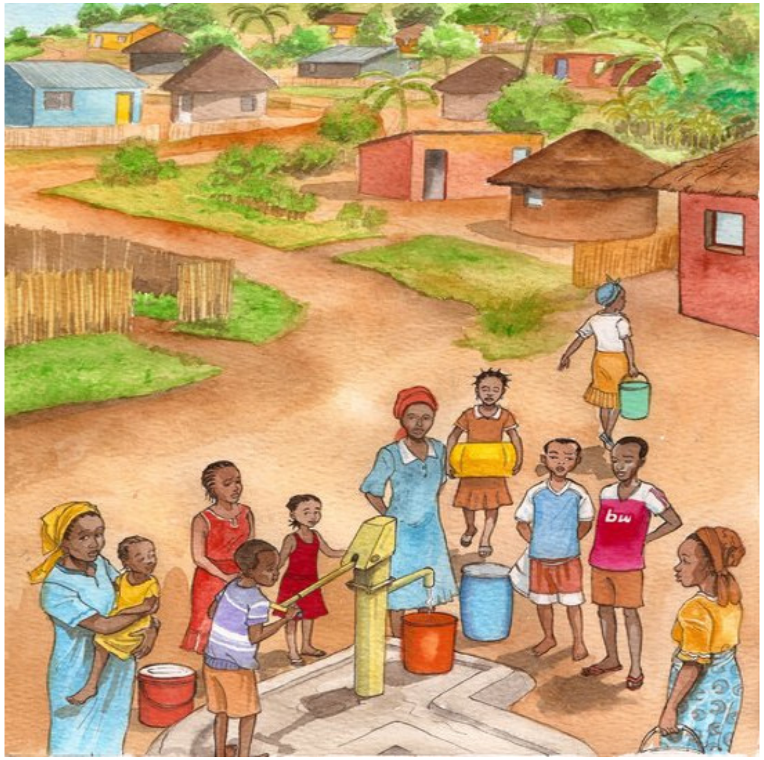

मेरे गाँव में बहुत सारी समस्याएँ थीं। हमें नल से पानी लेने के लिए बहुत लंबी लाइन लगानी पड़ती थी।

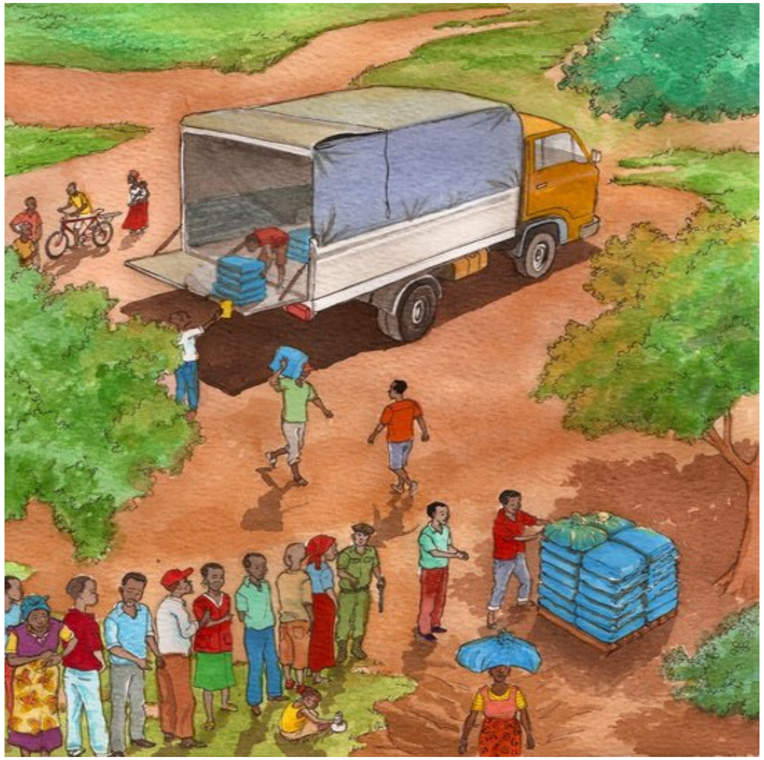

हमें दूसरों द्वारा दिए गए भोजन का इंतज़ार करना पड़ता था।

चोरों के कारण हमें अपने घर जल्दी बंद करने पड़ते थे।

बहुत से बच्चों ने बीच में ही स्कूल छोड़ दिया।

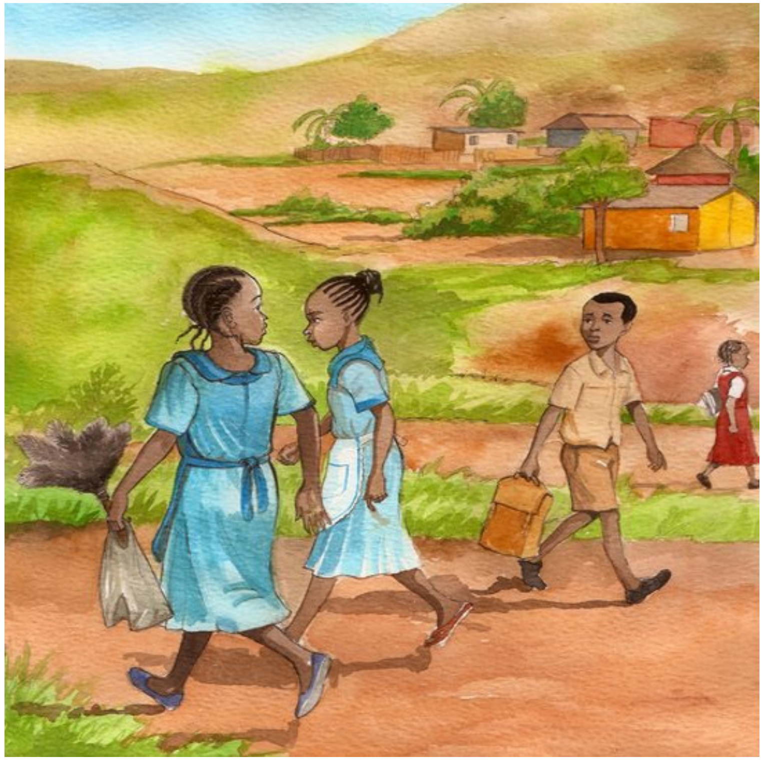

नौजवान लड़कियाँ दूसरे गाँव में नौकरानी का काम करती थीं।

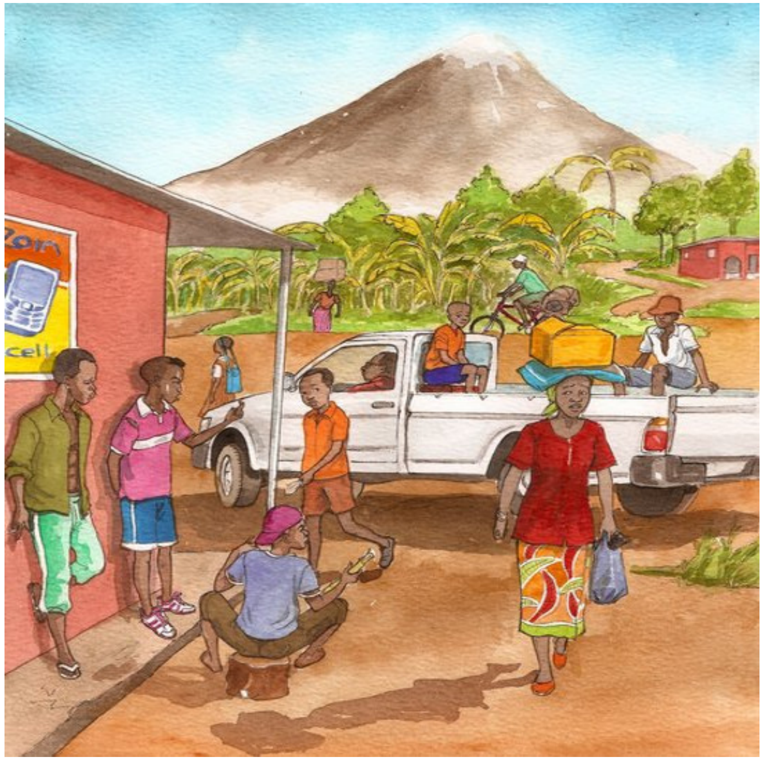

नौजवान लड़के गाँव में घूमते रहते थे जबकि बाकी दूसरों के खेतों में काम करते थे।

जब हवा चलती तो बेकार पड़े कागज़, पेड़ों और बाड़ों से लटक जाते थे।

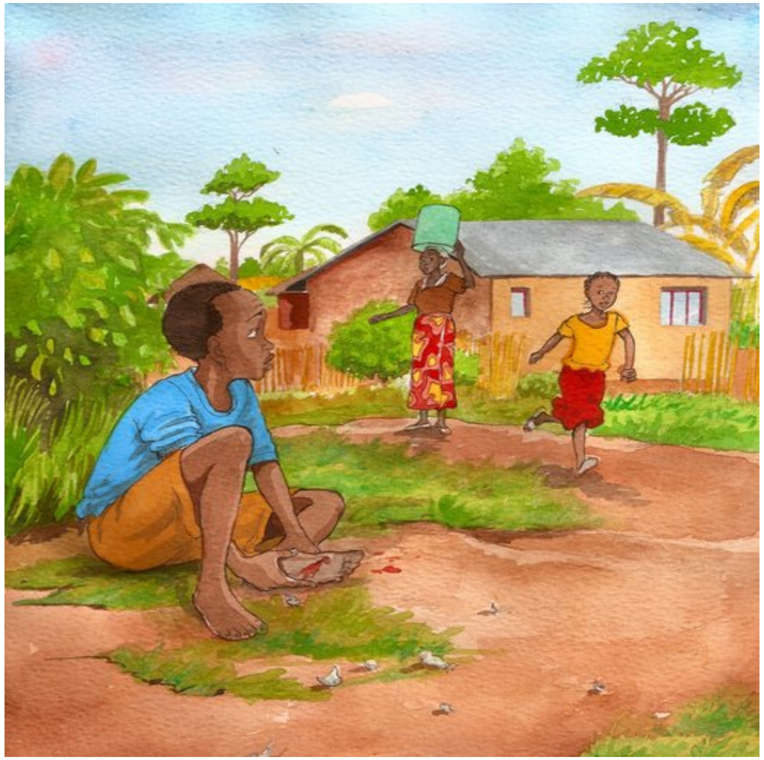

लापरवाही से फेंके गए काँच के टुकड़ों से लोग घायल हो जाते थे।

फिर एक दिन, नल सूख गये और हमारे बर्तन खाली रह गए।

मेरे पिता ने घर-घर जाकर लोगों से विनती की कि वे गाँव की बैठक में आएँ।

एक बड़े पेड़ के नीचे लोग इकट्ठे हुए और उन्होंने सुना।

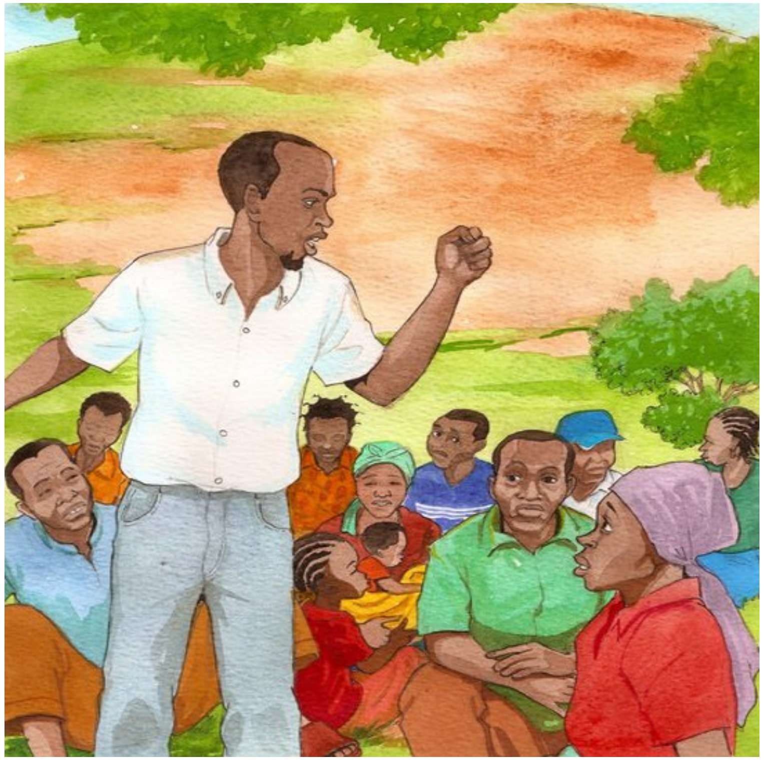

मेरे पिता ने खड़े होकर कहा “हमारी समस्याओं को सुलझाने के लिए हमें साथ मिलकर काम करना होगा”।

पेड़ की डाली पर बैठा आठ वर्षीय जुमा चिल्लाया “मैं सफाई में मदद कर सकता हूँ”।

एक महिला ने कहा “महिलाएँ मेरे साथ मिलकर फ़सल उगा सकती हैं”।

एक और आदमी खड़ा हुआ और बोला “आदमी कुआँ खोदेंगे”।

हमने साथ मिलकर एक स्वर में ज़ोर से कहा “हम अपनी ज़िंदगी ज़रूर बदलेंगे”। उस दिन से हम अपनी समस्याओं को हल करने के लिए साथ काम करते हैं।

Global Storybooks

globalstorybooks.net

निर्णय

Ursula Nafula
Vusi Malindi
Nandani

CC BY